



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रतिपक्ष से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं०. 524]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 30, 1985/कार्तिक 8, 1907

No. 524]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 30, 1985/KARTIKA 8, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर 1985

प्रदेश

क्र. आ. 79, (घ)/18कक/आईडीअर/85—भारत सरकार
के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश से क्र. आ.
295 (घ) 18कक/आईडीअर/78 तरख 13 अप्रैल 1978
द्वारा (गिरि डगर इनके परिवार) उक्त आदेश कदाचित्त (1) मैसर्स
स्वदेशी कटन मिल कान विक्टरी नगर के तम्रण औद्योगिक
उपक्रम (2) मैसर्स स्वदेशी कटन मिल काठगढ़ (3) मैसर्स
स्वदेशी कटन मिल पांडिचेर (4) मैसर्स स्वदेशी कटन मिल चैन्न,
(5) मैसर्स स्वदेशी कटन मिल मऊवाय मऊवा (6) मैसर्स उदयपुर कटन
मिल उदयपुर और (7) मैसर्स रायबरेली टैक्मट इन मिल, रायबरेली
(जिनमें इसमें परिवार उक्त उपक्रम कदाचित्त है) के प्रबंध उद्योग
(विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) को
धारा 18क के अंतर्गत (1) के खंड (क) के प्रमाण 13 अप्रैल, 1978
में पांच वर्षों की अवधि के लिए ग्रहण किया गया था और नेशनल टैक्मटाइल
कार्पोरेशन लिमिटेड को संपूर्ण औद्योगिक उपक्रमों का प्रबंध ग्रहण करने के
लिए प्राधिकृत किया गया था

अब भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)
ने आदेश क्र. आ. 283 (घ)/18कक/आईडीअर/83, तारीख
11 अप्रैल 1983 का क्र. 525(घ)/18कक/आईडीअर/83
तारीख 27 जुलाई, 1983 का क्र. 41 (घ)/18कक/आईडीअर/84
तारीख 30 जनवरी, 1984, का क्र. 334 (घ)/18कक/आईडीअर/84
तारीख 20 अप्रैल, 1984, का क्र. 547(घ)/18कक/आईडीअर/84,
तारीख 31 जुलाई 1984 का क्र. 814(घ)/18कक/आईडीअर/84,
तारीख 31 अक्टूबर 1984, का क्र. 374 (घ)/18कक/आईडीअर/85 तारीख 30 अप्रैल, 1985
द्वारा उक्त आदेश के अंतर्गत 31 अक्टूबर 1985 तक, जिसमें यह
तरख में सम्मिलित है बड़ा द गई है

और केन्द्र सरकार के यह राय है कि जोरिहित में यह समीचीन
है कि उक्त आदेश 19 अप्रैल 1986 तक की अवधि में यह तरख भी
सम्मिलित है और अवधि के लिए प्रभावी बन रहे।

अतः केन्द्र सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,
1951 (1951 का 65) के धारा 18क की उपधारा (2) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह निदेश देती है कि उक्त आदेश
19 अप्रैल, 1986 तक की अवधि में यह तारीख में सम्मिलित है, और
अवधि के लिए प्रभावी बन रहेगा।

[क्र. आ. 3(6)/78-सीयूएस]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 30th October, 1985

ORDERS

S.O.796(E)|18AA|IDRA|85.—Whereas by the Order of Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 265(E)|18AA|IDRA|78, dated the 13th April, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertakings, namely : (i) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Kanpur, (ii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Pondicherry, (iii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Naini, (iv) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Maunath Bhanjan, (v) Messrs Udaipur Cotton Mills, Udaipur, and (vi) Messrs Rae Bareilly Textile Mills, Rae Bareilly of Messrs Swadeshi Cotton Mills Company Limited, Kanpur (hereinafter referred to as the said Undertaking) were taken over under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years from the 13th April, 1978 and the National Textile Corporation Limited was authorised to take over the management of the whole of the industrial undertakings;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 283(E)|18AA|IDRA|83, dated the 11th April, 1983, S.O. 525(E)|18AA|IDRA|83, dated the 27th July, 1983, S.O. 41(E)|18AA|IDRA|84 dated the 30th January, 1985, S.O. 334(E)|18AA|IDRA|84 dated the 30th April, 1984, S.O. No. 547(E)|18AA|IDRA|84 dated the 31st July, 1984, S.O. No. 814(E)|18AA|IDRA|84, dated the 31st October, 1984 and S.O. No. 374(E)|18AA|IDRA|85, dated the 30th April, 1985. The period of the said Order was extended upto and inclusive of the 31st October, 1985;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 19th April, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 19th April, 1986.

File No. 3(6)78-CUSI

का. आ. 797 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/85:—केन्द्रीय सरकार ने भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 277 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए, 78/तारीख 20 अप्रैल, 1978 द्वारा (जिसमें इससे पहले उक्त आदेश कहा गया है) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की या कि कि उक्त आदेश के जारी किये जाने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त सभी संविदाओं, संपत्ति के हस्तांतरण पत्रों, करारों, परिनिर्धारणों, पंचादों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखितों से प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताओं और दायित्वों का उनसे निम्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत दायित्वों से संबंधित हैं) जिनका मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स कम्पनी लिमिटेड कानपुर के (1) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, कानपुर, (2) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, पांडिचेरी, (3) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, नैनी, (4) मैसर्स स्वदेशी काटन मिल्स, मऊनाथ भंजन, (5) मैसर्स उदयपुर काटन मिल्स, उदयपुर, और (6) मैसर्स रायबरेली टेक्सटाइल मिल्स, रायबरेली, नामक औद्योगिक उपक्रम परबत्तर है या जो ऐसे औद्योगिक उपक्रमों को लागू हैं, प्रवर्तन ऐसी तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उसके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाली सभी बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि के लिये निलम्बित रहेंगे;

और केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि जनसाधारण के हित में यह आवश्यक है कि उक्त आदेश पूर्वोक्त आदेश की अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रभावी बना रहे, 31 अक्टूबर, 1985 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिये ऐसे प्रभावी बने रहने की समय-समय पर घोषणा की गयी, देखिये भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का. आ. 204 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/79 तारीख 16 अप्रैल, 1979; का. आ. 262 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/80, तारीख 17 अप्रैल, 1980; का. आ. 305 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/81 तारीख 20 अप्रैल, 1981; का. आ. 212 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/82 तारीख 20 अप्रैल, 1982; का. आ. 284 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/83, तारीख 11 अप्रैल, 1984; का. आ. 526 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/84, तारीख 27 जुलाई, 1984; का. आ. 42 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/81, तारीख 30 जनवरी, 1984; का. आ. 335 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/84, तारीख 30 अप्रैल, 1984; का. आ. 548 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/84, तारीख 31 जुलाई, 1984, और का. आ. 815 (अ) 18 च ख/आई डी आर ए/84, तारीख 31 अक्टूबर, 1984, और सं. का. आ. 375 (अ)/18 च ख/आई डी आर ए/85, तारीख 30 अप्रैल, 1985;

और केन्द्रीय सरकार का यह मतसाधारण हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 19 अप्रैल, 1986 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिये बढ़ा दी जाये ;

अतः उक्त आदेश के अन्तर्गत, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च ख की उपधारा (2) के अन्तर्गत उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश की अवधि 19 अप्रैल, 1986 तक की, जिसमें यह तारीख तारीख भी सम्मिलित है, और अवधि के लिये बढ़ाती है ।

[फा सं. 3 (5) 78-सी यू एस]

जी. वेंकटरमणन, सहायक सचिव ।

S.O. 797(E)/18FB/IDRA/85.—Whereas by Order of the Government of India, in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 277(E)/18FB/IDRA/78, dated the 20th April, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) declared that the operation of all obligations and liabilities accruing or arising out of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force, immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertakings known as : (i) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Kanpur, (ii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Pondicherry, (iii) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Naini, (iv) Messrs Swadeshi Cotton Mills, Maunath Bhanjan, (v) Messrs Udaipur Cotton Mills Udaipur, and (vi) Messrs Rae Bareilly Textile Mills, Rae Bareilly of Messrs Swadeshi Cotton Mills Company Limited, Kanpur, as parties or which may be applicable to such industrial undertakings shall remain suspended for a period of one year from such date and that all the obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas, the Central Government being of opinion that it is necessary in the interest of the general public that the said Order should continue to have effect after the expiry of the period of

aforesaid Order had declared from time to time for such continuance for a further period upto and inclusive of the 31st October, 1985, vide Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) Nos. S.O. 209(E)/18FB/IDRA/79, dated the 16th April, 1979, S.O. 262(E)/18FB/IDRA/80, dated the 17th April, 1980, S.O. 305(E)/18FB/IDRA/81, dated the 20th April, 1981, S.O. 272(E)/18FB/IDRA/82, dated the 20th April, 1982, S.O. 284(E)/18FB/IDRA/83, dated the 11th April, 1983, S.O. 526(E)/18FB/IDRA/83, dated the 27th July, 1983, S.O. 42(E)/18FB/IDRA/84, dated the 30th January, 1984, S.O. 335(E)/18FB/IDRA/84, dated the 30th April, 1984, S.O. 548(E)/18FB/IDRA/84, dated the 31st July, 1984, S.O. 815(E)/18FB/IDRA/85, dated the 31st October, 1984, and No. S.O. 375(E)/18FB/IDRA/85, dated the 30th April, 1985;

And whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto and inclusive of the 19th April, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 19th April, 1986.

[File No. 3(6)/78-CUS]

G. VENKATRAMANAN, Jt. Secy.

